बिहार के गौरवशाली इतिहास को कायम रखे हुए है सीआईएमपी

हमारा देश आज जिस तरह से आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहा है उसे देखते हुए देश में प्रबंधन के क्षेत्र में पेशेवरों की मांग भी तेजी से बढ़ी है। बावजूद इसके देश में बहुत कम ऐसे प्रबंधन के संस्थान हैं, जो अपनी शिक्षा की गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं। यही वजह है कि आज प्रबंध क्षेत्र के पेशेवर बस कुछेक क्षेत्रों में ही अपनी पहचान बनाकर रह जाते हैं।

प्रबंध क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता की दृष्टि से देखें तो पटना स्थित चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआईएमपी) आज देश का ऐसा प्रबंध संस्थान है, जहां न केवल संबंधित क्षेत्र की उच्च शिक्षा पर भरपूर ध्यान दिया जाता है, बल्कि छात्रों को भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए भी तैयार कराया जाता है। यही वजह है कि महज 10 वर्षों में यह संस्थान आज देश के उत्कृष्ट मैनेजमेंट संस्थानों में गिना जाने लगा है। सीआईएमपी को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई अवार्ड आदि भी मिल चुके हैं। साल 2013 में फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में 'इंटरनेशनल आर्क ऑफ यूरोप अवार्ड' इस संस्थान को उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन से बनी पहचान

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआईएमपी), की स्थापना सन् 2008 में बिहार सरकार के सहयोग से एक स्वायत्त संस्थान के रूप में की गयी, जिसका उद्देश्य प्रबंधन के क्षेत्र में बिहार राज्य के शैक्षिक विकास को नई ऊंचाईयों तक ले जाना है। यह संस्थान प्रबंधन के क्षेत्र में बढ़ रही कुशल पेशेवरों की मांग को देखते हुए युवाओं को संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रशिक्षण देता है, ताकि वह राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाएं और बिहार का नाम रौशन करें। सीआईएमपी, 'एआईसीटीई' से मान्यता प्राप्त है और यह प्रबंधन के क्षेत्र में दो वर्षीय पूर्ण कालिक पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स कराता है।

2 नेशनल और 5 इंटरनेशल अवॉर्ड से सम्मानित

- सन् 2015 में पेरिस में आयोजित डीडीआईडी कन्वेंशन में प्लेटिनम श्रेणी के तहत 'इंटरनेशनल स्टार फॉर लीडरशिप' अवॉर्ड
- साल 2013 में यूरोप बिजनेस असेंबली द्वारा बेस्ट इंस्टीट्यूट श्रेणी में 'सॉक्रेट्स' अवॉर्ड
- साल 2013 में फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में 'इंटरनेशनल आर्क ऑफ यूरोप अवॉर्ड' (उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए)
- साल 2013 में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज द्वारा 'ईक्यू लीडरशिप अवॉर्ड'
- साल 2012 में 'डॉ. जे. जे. ईरानी' अवॉर्ड

सभी विश्वस्तरीय सुविधाएं मौजूद

लाइब्रेरीः लाइब्रेरी में 17 हजार से ज्यादा किताबें, 50 प्रिंट जरनल और मैगजीन, 21 अखबार, 2 हजार हार्वड क्लासिक कलेक्शन, 900 सीडी और 500 हैंडबुक्स आदि उपलब्ध हैं।

ऑडिटोरियमः यहां का सभागृह एचडी प्रोजेक्टर, स्क्रीन एंड डिजिटल डॉल्बी साउंड सिस्टम और सेंट्रल एयरकंडीशन से लैस है, जिसमें एक साथ 500 छात्र बैठ सकते हैं।

कम्प्यूटर सेंटरः यहां की स्टेट ऑफ दि आर्ट कम्प्यूटर लैब में अत्याधुनिक मल्टीमीडिया कम्प्यूटर, सर्वर और नेटवर्क प्रिंटर लगे हुए हैं तथा चौबीसों घंटे वाई-फाई और लैन कनेक्टिविटी के माध्यम से इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

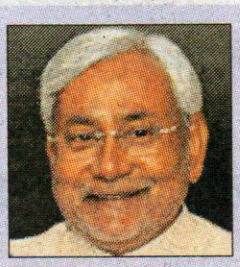

मुझे यकीन है कि जितनी मेहनत और तेजी से यह संस्थान आगे बढ़ रहा है, वह दिन दूर नहीं जब बिहार का नाम देश के सर्वोत्तम पेशेवरों को मुहैया कराने के रूप में लिया जाने लगेगा।

नीतीश कुमार
(मुख्यमंत्री बिहार)
चेयरमैन सीआईएमपी

बीते एक दशक में 50 से ज्यादा नामी एवं प्रतिष्ठित कंपनियां संस्थान के मेधावी छात्रों को चयनित कर चुकी हैं। यहां से शिक्षित छात्र बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, डेयरी, कंसल्टिंग, सरकारी प्रशासन, मीडिया और डेवलपमेंट जैसे विभिन्न क्षेत्रों में शानदार पैकेज के साथ अच्छे पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह हमारे लिए सम्मान की बात है कि गुणवत्तापूर्ण और उत्कृष्ट शिक्षा के लिए संस्थान को अपने देश ही नहीं बल्कि दूसरे देशों में भी कई पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

डॉ. वी. मुकुंद दास
निदेशक, सीआईएमपी

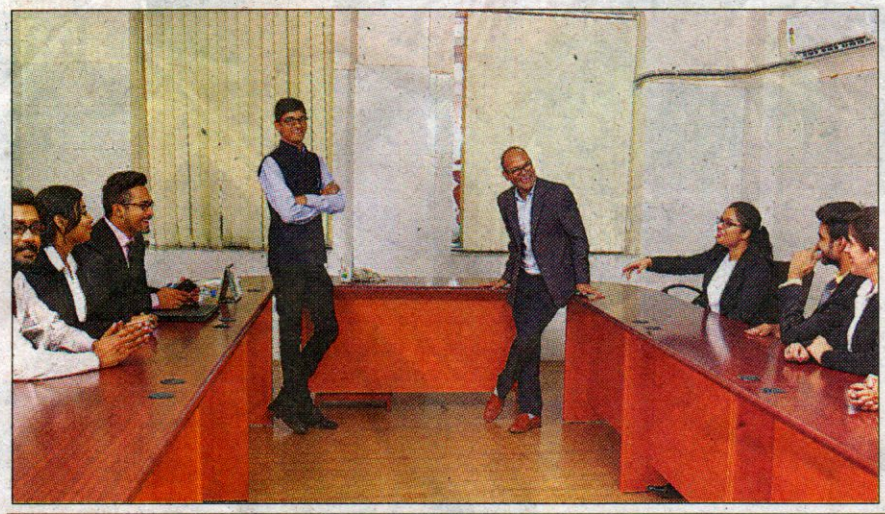

खासतौर पर डिजाइन किये गये हैं प्रोग्राम्स

सीआईएमपी, अपने छात्रों के लिए प्रबंध से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम संचालित करता है, जिनमें दो वर्षीय पूर्णकालिक पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट' (पीजीडीएम) है, जो एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त है और एनबीए एवं 'एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज' (एआईयू) से प्रमाणित है। इसके अलावा यहां बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित प्रबंध के क्षेत्र में 11 माह का एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम इन मैनेजमेंट भी संचालित किया जाता है।सीआईएमपी में साल 2018 से डॉक्टरल स्तर की फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट की भी पढ़ाई शुरु की गई है।

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना, मीठापुर इंस्टीट्यूशनल एरिया, फोन- 0612-2366015/062, 9693223405
वेबसाईट - www.cimp.ac.in

Hindustan (Hindi) ! Page.No-28 ! Dated:28-12-2018